आधी आबादी

हर सन्डे वूमेन्स डे

संस्करण – रविवार, 26 मई 2024, अंक – 55

'अबकी बार- बेड़ा पार'

विशेष संपादकीय

यह मौसम संभल कर रहने का है!

– चारुल मल्लिक

उत्तर भारत के अधिकांश राज्य इन दिनों भीषण लू की चपेट में हैं। मौसम विभाग (IMD) की मानें तो अगले 5 दिनों तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी में गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं है। आईएमडी ने अगले पांच दिनों के लिए राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 'रेड अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों के कई जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर सकता है। यह समय बहुत संभलकर रहने का है।

स्कूलों में गर्मी की छुट्टियाँ शुरू हो गई हैं। बच्चे घरों में बंद हैं। बाहर चिलचिलाती धूप है। प्रचंड गर्मी का मौसम है। ऐसे में सबसे ज़रूरी है- अपना ख्याल रखना। ऐसे मौसम में आधी आबादी की जिम्मेदारी और चुनौतियाँ भी बहुत बढ़ जाती हैं। आपको अपना ही नहीं बच्चों, बुजुर्गों समेत पूरे परिवार का ध्यान रखना होता है। यह काम आप बरसों से बखूबी करती भी आ रही हैं। महानगरों में फलों से लेकर सब्जी के ठेले लगाने वालों में महिलाओं की संख्या भी कम नहीं है। भीषण गर्मी में भी अपने घर के चूल्हे के लिए आय का साधन जुटाती इन मेहनतकश महिलायें समाज के हाशिये पर पड़ी वो गुमनाम नायिकाएँ हैं जिनकी व्यथा-कथा कोई नहीं कहता। एक शायर ने क्या खूब ही कहा है- 'सबसे मुश्किल तो वो कहानी है, जो किसी को नहीं सुनानी है।' ऐसी गुमनाम नायिकाओं से भी मैं यही कहना चाहूँगी कि- अपना ख्याल रखना। अपनी सेहत का, अपने आहार का, अपने खान-पान का, अपनी मुस्कान का। पानी पीते रहिए और खुद को डिहाएड्रेशन से बचाइए। क्योंकि आपके लिए ही वो कुम्हार चाची बना रही है मिट्टी के घड़े और सहेज रही है उम्मीदों के गुल्लक।

गाँवों से लेकर शहरों तक में जो महिलायें काम-काजी हैं खास कर जो मजदूरी करके अपना पेट पालती हैं, उन महिलाओं को भी ऐसे मौसम में संभल कर रहने की ज़रूरत है। बाहर निकलती महिलायें, स्कूटी चलाती लड़कियां सबको मैं अपने विशेष संपादकीय के जरिए यही संदेश दे रही हूँ कि अभी दो महीने अपना खास ध्यान रखें फिर उम्मीदों की बारिश लेकर आएगा सावन जो हमारे सभी दर्दों को भुला देगा। ठीक ज़िंदगी की तरह जब संघर्षों से निकलकर आप पहुंचते हैं अपनी मंज़िल पर तो सारे दर्द और संताप भूल जाते हैं।

आधी आबादी 'संडे' को जिस तरह से आपका प्यार मिला है इससे हमारी टीम बेहद उत्साहित है। आप अपनी राय और प्रतिक्रिया हमें भेजते रहिए। हमारा मेल आईडी है- aadhiaabadisunday@gmail.com

▪ हीरेंद्र झा

अगले शनिवार यानी 1 जून को लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण के मतदान के बाद लोकतंत्र के इस सबसे बड़े पर्व का समापन हो जाएगा। चार जून को चुनाव परिणाम के साथ ही देश को अगला प्रधानमंत्री मिल जाएगा। बड़ा सवाल है कि क्या इस बार फिर से नरेंद्र मोदी सत्ता में लौट रहे हैं या इस बार देश ने बदलाव के लिए मतदान किया है? जो भी हो 4 जून को देश ही नहीं दुनिया भर को इस सवाल का जवाब मिल जाएगा। दिल्ली, लखनऊ, पटना, मुंबई, जयपुर, भोपाल, गोवा, हिमाचल, उत्तराखंड, असम, झारखंड और बंगाल के अपने सूत्रों के हवाले से मेरा आकलन यही है कि इस बार लोग पीएम मोदी से नाराज जरूर हैं लेकिन उन्होंने चुनाव में इस बार भी उन्हीं पर भरोसा जताया है। लेकिन, उसके बाद मोदी सरकार के लिए पहले की तुलना में इस बार बड़ी चुनौती होगी? दरअसल अभी तक पिछले दस बरसों में एक तरह से मोदी सरकार ने इस देश में एक छत्र राज किया है। पूरी मीडिया मोदी सरकार की चरण वंदना करती रही है। रविश, अजीत अंजुम और हमारे प्यारे पुण्य प्रसून बाजपेयी जैसे कुछेक पुराने पत्रकार जो कि अब यूट्यूबर्स हैं इन्होंने जरूर हर मौके पर जमकर मोदी की आलोचना की। लेकिन, इन पत्रकारों के साथ एक ही दिक्कत है कि मोदी की आलोचना करते-करते ये राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव और अरबिन्द केजरीवाल की सराहना करने लग जाते हैं और इसलिए ये भी एक तरह से पक्षपाती ही नजर आते हैं। बहरहाल, बात मोदी सरकार की बड़ी चुनौती की हो रही थी। प्रशांत किशोर कहते हैं कि मोदी अवश्य पीएम बन रहे हैं लेकिन इस बार उनकी सरकार आलोचकों के निशाने पर पहले से कहीं अधिक होगी। उनका तर्क है कि मोदी सरकार बेरोजगारी, महंगाई समेत कई मुद्दों पर विफल रही है और घूम फिर कर हिन्दू मुसलमान के मुद्दों पर लोगों की भावना को जगाकर राजनीति करते रहे हैं। लेकिन, इस बार अगर सरकार ने जनता के मुद्दों पर कुछ नहीं किया तो फिर जनता के गुस्से से वो बच नहीं पाएंगे। यानी ऐसा होता है और सरकार जनता के लिए काम करती है तो इस बार जनता का बेड़ा पार होना तय है। मान लेते हैं कि इस बार मोदी सत्ता में नहीं लौटते और राहुल की अगुवाई में इंडी गठबंधन की सरकार बनती है। तो राहुल और बाकी पार्टियों के नेताओं ने जिस तरह से अपने घोषणा पत्रों में जनता से वादे किए हैं तो उन पर उन वादों को पूरा करने का अधिक दबाव होगा। और यही ऐसा होता है तब भी जनता का बेड़ा पार होना तय है। महिलाओं के मुद्दे के लिए भी इस बार पक्ष-विपक्ष जिस तरह से अपनी बात रख रहा है ऐसा भी पहले कभी नहीं हुआ है। महिला वोटरों की जिस तरह से ताकत बढ़ी है अब उन्हें अनदेखा करना किसी भी सरकार के लिए एक खतरे की घंटी है। ऐसे में आधी आबादी का बेड़ा पार होना भी इस बार तय ही मानिए। बाकी राजनीति में कुछ भी पक्के तौर से नहीं कहा जा सकता लेकिन इतना तो अवश्य है कि इस बार चुनाव नतीजे का रोमांच 2014 और 2019 की तुलना में कहीं अधिक रहने वाला है।

इंटरव्यू

इस दौर में अभिनेत्रियों की भी सुनी जाती है: शेफाली शाह

जानी-मानी एक्ट्रेस शेफाली शाह ने एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उनके काम को लोग बहुत पसंद करते हैं। शेफाली की पर्सनल लाइफ के साथ-साथ प्रोफेशनल लाइफ भी काफी चर्चे में रही है। शेफाली शाह ने हाल ही में वरिष्ठ पत्रकार गौरव खरे के साथ कई सारी बातें की हैं, जो आप यहाँ पढ़ सकते हैं।

सवाल : टीवी, सिनेमा के बाद अब आप ओटीटी में काम कर रही हैं। ऐसे बदलते माध्यमों के साथ एक एक्टर के जीवन में क्या बदलाव आए हैं?

शेफाली : सिनेमा में एक पहले सिर्फ हीरो और एक हीरोइन पर फोकस किया जाता था। बाकी जो भी ऐक्टर्स थे, उनको नजरअंदाज किया जाता था। सब कैरेक्टर हीरो-हीरोइन के साथ कैसे जुड़े हुए हैं, उस हिसाब से पहचाने जाते थे, जैसे हीरो की मां, हीरो की दोस्त वगैरह। लेकिन ओटीटी के आने की वजह से पूरा शो, सीरीज या फिल्में बन रही हैं, उनमें पूरी की पूरी कास्ट मजबूत होती है और शो में मुख्य किरदार की तरह होती है। उसकी वजह से मेरे जैसे बहुत से ऐक्टर्स को काम मिला। ये सभी ऐक्टर्स के लिए अहम है क्योंकि हमारा काम अब इंटरनेशनल स्तर पर भी देखा जा सकता है।

सवाल : महिला कलाकारों के लिए क्या बदलाव हुआ है?

शेफाली : आज बहुत सारी कहानियां महिलाओं की नजर से और महिलाओं के बारे में बताई जा रही हैं। पहले जो महिलाओं के बारे में रूढ़िवादी सोच थी, उसको तोड़ा जा रहा है जो बहुत अच्छी बात है। जैसे समाज और हम सबकी जिंदगी में प्रोग्रेस आ रहा है, वैसे ही सिनेमा, टीवी और ओटीटी पर भी डेवलपमेंट हो रहा है। पहले भी बहुत सारी फिल्में महिला केंद्रित होती थीं, जैसे अराधना, अभिमान या आंधी हो। फिर एक दौर आया जहां हीरोइन सिर्फ हीरो की एक्सेसरीज बनकर रह गईं। अब वह दौर फिर शुरू हो रहा है, जहां पर हर अभिनेत्री बराबर अहमियत रखती है और कभी-कभी वो ऐक्टर से ज्यादा अहम रोल में होती है।

सवाल : क्या आज वो दौर आ चुका है जहां कोई ऐक्ट्रेस खुद कह सके कि मैं ये प्रोजेक्ट करूंगी और ये नहीं?

शेफाली : मैंने हमेशा से वो ही किया है, जो मुझे करना था। वो लोगों की एक व्यक्तिगत पसंद होती है और ये चॉइस मैंने हमेशा की है। कुछ फिल्में थी जिनमें अगर मैं होती तो और ज्यादा फेमस होती। लेकिन वो सब्जेक्ट मेरे दिल को नहीं छुआ तो मैंने उनको नहीं किया। तो ये चॉइस हमेशा मेरी होती है और आज हम उस दौर में हैं जब हम ऐसा कर सकते हैं।

सवाल : दुनिया बदल रही है। तो क्या आपके बच्चे भी आपको कभी कोई सलाह देते हैं कि मम्मी आपको ऐसे किरदार या कहानी करनी चाहिए?

शेफाली : ऐसा पहले हुआ करता था कि बच्चों को सिखाया जाना चाहिए। हम जैसा चाहते हैं, वो वैसा व्यवहार करें। लेकिन अब उल्टा हो गया है। अब बच्चे जैसा चाहते हैं, हमें वैसा बिहेव करना पड़ता है। दरअसल बच्चों के साथ हम भी ग्रो करते हैं। बहुत सारी चीजों में हमारे मत अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन बेसिक वैल्यूज हैं, वो सही जगह पर हैं। बहुत सी चीजें हैं जहां बच्चे कहते हैं कि ये काम नहीं करेगा, ये बदल सकते हैं आदि।

सवाल : आपने इंडस्ट्री में अपने काम से बड़ी जगह बनाई है। तो ऐसा कोई किरदार या कहानी जिसको आप करना चाहती हैं?

शेफाली : अभी तो बहुत कुछ करना है। मैं इसपर काम कर रही हूं। मैं ऐतिहासिक कहानियों का हिस्सा बनना पसंद करूंगी। मुझे बायॉग्राफी भी करनी हैं।

हलचल

राहुल-अखिलेश के बाद बनारस में रोड शो करने पहुंची प्रियंका गांधी और डिंपल यादव

लोकसभा चुनाव के छठे और सातवें चरण के लिए इंडिया गठबंधन ने पूरी ताकत लगा दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के बाद प्रियंका गांधी और डिंपल यादव भी पूरी तरह से चुनावी मैदान में एक्टिव हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी और सपा सांसद डिंपल यादव के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का 25 मई (शनिवार) को वाराणसी में रोड शो हुआ। काशी में इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रियंका गांधी और डिंपल यादव वाराणसी लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय के समर्थन में रोड शो किया। प्रियंका गांधी और डिंपल यादव का रोड शो दुर्गाकुंड स्थित कुष्मांडा देवी मंदिर के पास से शुरू होकर सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर पर जाकर समाप्त हुआ। बता दें लोकसभा चुनाव के लिए वाराणसी सीट यूपी की हॉट सीटों में गिनी जाती है, क्योंकि इस सीट से खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी के टिकट पर तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के तहत यह सीट कांग्रेस के हिस्से में आई है और इस सीट पर कांग्रेस की तरफ से यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय चुनावी मैदान में हैं। वहीं बसपा ने इस सीट से अतहर जमाल लारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर सातवें चरण में 1 जून को वोटिंग होगी।

'पीएम मोदी के लिए मैं बनाऊंगी मंदिर...', प्रधानमंत्री के लिए ममता बनर्जी ने ऐसा क्यों कहा?

लोकसभा चुनाव के छठे चरण की वोटिंग शनिवार को होने जा रही है। वोटिंग से पहले पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला है। दरअसल, ममता बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने हाईकोर्ट द्वारा ओबीसी सर्टिफिकेट खारिज किए जाने के मुद्दे पर भी बोला। ममता ने कहा कि मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि कुछ न्यायाधीशों के फैसले बुनियादी योग्यता नहीं रखते। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट एक न्यायाधीश ने आरएसएस से अपने जुड़ाव को स्वीकार किया है। ममता ने रैली के दौरान पीएम मोदी के एक बयान को लेकर उन पर तंज भी कसा। ममता ने कहा कि अगर उन्हें भगवान ने भेजा है, तो उनके लिए मंदिर में रहना बेहतर है। मैं उस मंदिर के निर्माण की व्यवस्था करूंगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान यह भी स्पष्ट किया है कि टीएमसी विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि पूरी संभावना है कि आईएनडीआईए गठबंधन सत्ता में आएगा और हम देश को नेतृत्व देंगे। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को एक अहम फैसले में बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी के दर्जे को रद्द कर 2010 के बाद जारी सभी ओबीसी प्रमाण पत्र निरस्त कर दिए थे। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर फिर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए दोहराया कि राज्य में कई वर्गों का ओबीसी आरक्षण का दर्जा रद्द करने का अदालत का यह आदेश स्वीकार करने योग्य नहीं है। यह शर्मनाक है। मैं इस फैसले को स्वीकार नहीं करती और मैं हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाऊंगी।

बिहार में नौकरी कर रहीं बाहरी महिला शिक्षकों के लिए बुरी खबर, '60' वाला पेच बढ़ाएगा टेंशन; जॉब भी जाएगी!

बिहार में तीन चरणों में संपन्न शिक्षक बहाली में सफल रहने वाली दूसरे राज्यों की शिक्षिकाओं के लिए बुरी खबर है। यानी बहुत सारी शिक्षिकाओं के हाथ से यह नौकरी जाने की नौबत आ गई है। बात भले ही कड़वी है, लेकिन सच्चाई है और यह खबर निश्चित तौर पर दूसरे राज्यों की शिक्षिकाओं के होश उड़ाने वाली है। दरअसल, दूसरे राज्यों की शिक्षिकाओं को शिक्षक की नौकरी में बने रहने के लिए सीटीईटी में कम से कम 60 फीसदी अंक अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग के इस निर्णय 60 फीसदी से कम अंक की शिक्षिकाओं में खलबली मच गई है, जो लाजिमी है। बताया गया है कि हाईकोर्ट, पटना में एक वाद दायर किया गया था, जिसमें एक अप्रैल को फैसला आया था। वाद की आवेदिका ने कोर्ट के फैसले की प्रति के साथ माध्यमिक शिक्षा निदेशक को आवेदन की थी। सुनवाई के दौरान आवेदिका ने दलील दी थी कि उसे बीपीएससी के विज्ञापन संख्या 27/23 के आलोक में संस्कृत विषय में वर्ग छह से आठ तक के विद्यालय अध्यापक के पद पर सफल घोषित कर अरवल जिला आवंटित किया गया था। सीटीईटी में 60 फीसदी से कम अंक रहने के कारण उसका काउंसलिंग रोक दिया गया था, जबकि उस विज्ञापन के पृष्ठ संख्या 5 पर लिखा था कि सामान्य कोटि की महिलाओं को सीटीईटी में 55 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। उसे सीटीईटी में 89 अंक प्राप्त है। आवेदिका ने निदेशक से काउंसलिंग कराने के साथ ही नियुक्ति पत्र निर्गत करने का आदेश देने की मांग की थी।

जबलपुर में महिलाओं की नहीं सुनती पुलिस

जबलपुर में महिला अपराध को लेकर पुलिस प्रशासन हमेशा बैठक करते रहते हैं। लेकिन थाने में पीड़ितों की आवाज सुनने के लिए कोई तैयार नहीं है। पुलिस को लेकर कई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि हमारी फरियाद को लगातार अनदेखा किया जा रहा है। जिसकी शिकायत को लेकर महिलाओं ने जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज कराई है। एक महिला ने बताया, मनीष पटेल नाम का लड़का मेरे से झूठ बोलकर शादी किया। बाद में मेरे साथ मारपीट गाली-गलौज करने लगा। जब हम उससे अलग होना चाहे तो हमें पता चला कि वह शादीशुदा है, लेकिन अब वह अलग नहीं रहने दे रहा है। वह लगातार धमकी दे रहा है। मनीष मैहर जिले का निवासी वहीं महिला ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर कहा कि हम 15 दिन से थाने का चक्कर लगा रहे हैं। हम सिंगरौली से आते हैं, लेकिन हमारी पुलिस सुनने को तैयार नहीं है। उसने बताया कि हमें इस थाने से उस थाने घुमाया जा रहा है। हम न्याय चाहते हैं। पुलिस घरेलू मामला बताकर टाल देती है एक अन्य महिला ने बताया कि पति के साथ मेरा लंबे समय विवाद चल रहा है। हम जब इसकी शिकायत लेकर थाने जाते हैं तो वहां घरेलू मामला बताकर वापस कर दिया जाता है। थाने का चक्कर लगाने के लिए मजबूर जबलपुर में महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा सहित अन्य तरह से प्रताड़ित करने के मामले सबसे ज्यादा बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही महिलाओ से ठगी सूदखोरी और उनसे छेड़छाड़ सहित बदमाशों द्वारा हमला करने के मामले भी थानों तक पीड़ित महिलाएं लेकर जाती है, लेकिन पुलिस महिलाओं को बार बार थाने के चक्कर लगवाने मजबूर कर रहा है।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने साधा गोल्ड पर निशाना, मिक्स्ड टीम को सिल्वर

भारतीय तीरंदाजों का आर्चरी वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन जारी है। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने महिला कंपाउंड वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जबकि मिश्रित टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। दुनिया की नंबर एक भारतीय टीम ने तुर्की की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232- 226 से हराकर एक भी सेट गंवाए बिना पहला स्थान हासिल किया। एशियाई खेल चैम्पियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और प्रियांश के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई। ज्योति, परनीत और विश्व चैम्पियन अदिति ने विश्व कप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था। कंपाउंड महिला टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पहले दौर में सेंटर के पास तीन एक्स के साथ आगाज किया और अगले तीन तीरों पर एक एक अंक ही गंवाया।

स्वाति मालीवाल मामले में अरविंद केजरीवाल ने 9 दिन बाद तोड़ी चुप्पी, बोले- न्याय मिलना चाहिए

■ आधी आबादी डेस्क

आप राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले में आम आदमी पार्टी (AAP) के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और न्याय मिलना चाहिए। स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया था कि 13 मई को मुख्यमंत्री से मिलने गईं तो अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक (पीए) बिभव कुमार ने उनसे मारपीट की थी। मामले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी बिभव को गिरफ्तार कर लिया है। बिभव कुमार फिलहाल एक सप्ताह से अधिक समय से पुलिस हिरासत में हैं। इस बीच पीटीआई को दिए इंटरव्यू में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि स्वाति मालीवाल मामला कोर्ट में है और उनकी टिप्पणी से कार्यवाही प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे उम्मीद है कि निष्पक्ष जांच होगी। न्याय मिलना चाहिए। घटना के दो संस्करण हैं। पुलिस को दोनों संस्करणों की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए और न्याय होना चाहिए।

इससे पहले मालीवाल ने आरोप लगाया कि "कल पार्टी के एक बड़े नेता का फोन आया। उसने बताया कैसे सब पर बहुत ज्यादा दबाव है, स्वाति के खिलाफ गंदी बातें बोलनी हैं, उसकी पर्सनल फोटोज लीक करके उसे तोड़ना है। ये बोला जा रहा है कि जो उसको सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल देंगे। उन्होंने कहा, "तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी क्योंकि सच मेरे साथ है। मुझे इनसे कोई नाराजगी नहीं है, आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। बड़े से बड़ा नेता भी उससे डरता है। किसी की हिम्मत नहीं उसके खिलाफ स्टैंड ले पाए। मैं किसी से उम्मीद भी नहीं करती।" उन्होंने कहा, "किसी को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का काम मिला है और किसी को ट्वीट करने का। किसी का कर्तव्य है कि वह अमेरिका में बैठे स्वयंसेवकों को बुलाए और मेरे खिलाफ कुछ निकाले।"

सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट व छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस की टीम मंगलवार को मुंबई लेकर गई है। बिभव ने वहां अपने आइफोन को फार्मेट करने की बात कही है। फार्मेट उन्होंने खुद किया या किसी मोबाइल दुकानदार का सहयोग लेकर किया, इस बारे में बिभव पुलिस को सच नहीं बता रहे हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पूछताछ में बिभव कुमार बार-बार बयान बदल रहा है। 13 मई को घटना के बाद बिभव केजरीवाल के साथ पहले लखनऊ गए थे। वहां से लुधियाना व पंजाब के अन्य जगहों पर होते हुए मुंबई में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। इसलिए बिभव को मुंबई ले जाकर पुलिस यह जानने की कोशिश करेगी कि वहां उसने किन-किन नेताओं, कार्यकर्ताओं, व्यवसायियों व अन्य जानकारों से मुलाकात की थी और वहां वह किस जगह पर ठहरे थे।

सर्राफा बाज़ार

22 कैरेट सोना	चांदी
₹67,280	₹96,000
प्रति 10 ग्राम	प्रति किलो

कांग्रेस सरकार होती तो रसोई का खर्च तीन गुना ज्यादा होता, वाराणसी में नारी शक्ति संवाद में बोले पीएम मोदी

▪ दयानंद पांडेय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की मानसिकता को 'महिला विरोधी' करार देते हुए दावा किया कि आज कांग्रेस की सरकार होती तो रसोई का खर्च दो तीन गुना ज्यादा होता, जबकि इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने विभिन्न योजनाओं के जरिए जनता को हजारों रुपयों की बचत करायी है। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन में कहा कि उनके नेतृत्व में पहली बार केंद्र में ऐसी सरकार आई है जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की है। उन्होंने कहा, 'बीते 10 साल में पहली बार सरकार की नीतियों से लेकर निर्णयों तक के केंद्र में माताएं, बहनें और महिलाएं आई हैं। इस पर उतनी चर्चा भले ही न हुई हो लेकिन यह भारत की सफलता की कहानी का एक बहुत बड़ा कारक है।' उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकारों पर महिलाओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'जब घर आपके बिना नहीं चलता है तो देश आपके बगैर कैसे चल जाता, यह बात 60 वर्षों तक सरकारों को समझ ही नहीं आई। विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया' की मानसिकता ही महिला विरोधी है। वे महिलाओं को आरक्षण देने का विरोध करते हैं।'

महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

प्रधानमंत्री ने महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए दावा किया कि उनकी सरकार की विभिन्न योजनाओं से जनता की बचत में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की सरकार की पहचान एक गाने से खूब होती है। महंगाई डायन खाए जात है.... कांग्रेस आई, महंगाई लाई। कांग्रेस सरकार रही होती तो आपकी रसोई का बजट दो-तीन गुना बढ़ चुका होता लेकिन यह मोदी लगातार प्रयास करता है कि आपका खर्च कम हो और आपकी बचत बढ़े।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मुफ्त राशन योजना से हर परिवार के साल में करीब 12 हजार रुपये बच रहे हैं। उज्ज्वला रसोई गैस सिलेंडर योजना से प्रति सिलेंडर 300 रुपये से ज्यादा की बचत हो रही है। जन औषधि केंद्रों पर 80 प्रतिशत छूट वाली दवाएं मिल रही हैं। पाइपलाइन के जरिए गैस आपूर्ति होने से भी बचत हो रही है।'

उन्होंने कहा, 'वाराणसी में पिछले 10 साल में तीन लाख से अधिक लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ है। प्रति ऑपरेशन कम से कम 10 हजार रुपये के हिसाब से देखें तो लोगों के करोड़ों रुपये बचे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'पीएम सूर्य घर योजना' से भी बिजली के बिल में प्रति माह दो से ढाई हजार रुपये की बचत हो रही है। चार जून के बाद सरकार बनने पर इस योजना का विस्तार किया जाएगा।

सपा पर निशाना

उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सपा को घेरते हुए कहा, 'बनारस के लोग तो उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों जगह रहे 'जंगल राज' से परिचित हैं। बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। बेटियों को पढ़ाई छोड़कर घर बैठना पड़ता था और सपा वाले बेशर्मी से कहते थे... लड़के हैं लड़कों से तो गलती हो जाती है। आज सपा के लड़के जरा गलती करके दिखाएं... योगी जी की सरकार उनका वह हाल करेगी जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा।' प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने विपक्ष द्वारा मजाक उड़ाये जाने के बावजूद 11 करोड़ शौचालय यानी 'इज्जतघर' बनवाये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ से ज्यादा पक्के घर बनवाकर उनकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर करवायी ताकि वे घर की मालकिन बन सकें। उन्होंने कहा, 'यह बस योजनाएं ही नहीं थी बल्कि इससे नारी शक्ति को नया आत्मविश्वास मिला। यही मेरा मिशन था, यही मेरी सोच थी।' प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया, 'विपक्षी गठबंधन के नेता खुलेआम कहते हैं कि हिंदुओं में जो शक्ति है उसका मैं विनाश करके रहूंगा लेकिन चार जून के बाद मोदी आपकी शक्ति को महाशक्ति बनाकर रहेगा।'

कमल खिलाने का आह्वान

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में हर मतदान बूथ पर 'कमल खिलाने' का आह्वान करते हुए कहा कि बनारस में इस बार मतदान के सारे रिकॉर्ड तोड़ने हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पार्टी के प्रचार में कितना भी व्यस्त होता हूं लेकिन बनारस को लेकर हमेशा निश्चिंत रहता हूं क्योंकि सब कुछ आप लोग ही संभाले रहते हैं।' कार्यक्रम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम और महिलाओं पर केंद्रित अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए दावा किया कि इस बार मोदी को हर तरफ से आधी आबादी का पूरा समर्थन मिल रहा है।

कंगना ने दिया गुलाब, फिर प्रधानमंत्री मोदी ने मंडी में किया चुनाव प्रचार, देखें तस्वीरें

▪ आधी आबादी डेस्क

चुनावी समर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर में घूम-घूमकर चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। छठे चरण की वोटिंग से पहले शुक्रवार (24 मई) को पीएम मोदी हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से पार्टी उम्मीदवार और एक्ट्रेस कंगना रनौत की रैली में पहुंचे। इस दौरान कंगना रनौत ने गुलाब का फूल देकर पीएम मोदी का स्वागत किया, जिसके बाद पीएम ने वहां की रैली को संबोधित किया।

क्रीम करल की साड़ी के साथ हिमाचली टोपी पहनी कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "प्रधानमंत्री जी मंडी में आपका स्वागत है।" इस रैली में भाड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंडी दौरे से पहले कंगना ने एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में काम करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

एक्ट्रेस कंगना ने कहा, "जब बॉलीवुड ने मुझे बाहरी माना और मेरी अंग्रेजी का मजाक उड़ाया, तब दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और दुनिया के सबसे बड़े नेता पीएम मोदी ने मुझे मंडी के लोगों की सेवा करने और उनके कल्याण के लिए काम करने के लिए चुना।"

मंडी सीट से बीजेपी उम्मीदवार कंगना रनौत ने कहा, "पीएम मोदी के मार्गदर्शन में काम करने का दिन आ गया है। पीएम मोदी की प्रशंसा करना सूरज को मोमबत्ती दिखाने जैसा है। उन्होंने जो तकनीकी और आधुनिक विकास कार्य किए हैं, वे जबरदस्त हैं। अब मैं भी उनकी टीम का हिस्सा हूं और पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर मंडी के विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध हूं।"

अपने भाषण का समापन करते हुए, कंगना रनौत ने कहा, "मैंने बीजेपी और कांग्रेस दोनों के कार्यकालों के दौरान अपनी क्षमताओं के आधार पर चार राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। मैं आपको आश्वासन देती हूं, अगर मैं इन चुनावों में जीतती हूं, तो मैं पहले ही साल में मंडी के लोगों के लिए सांसद पुरस्कार लाऊंगी।"

राष्ट्रपति मुर्मू, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने दिया वोट

शनिवार 25 मई को सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की कुल 58 सीटों पर मतदान सम्पन्न हुआ। छठे चरण में कुल 889 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। इस चरण में बिहार की आठ, हरियाणा की सभी दस, झारखंड की चार, दिल्ली की सभी सात, ओडिशा की छह, उत्तर प्रदेश की 14, पश्चिम बंगाल की आठ और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर वोटिंग हुई। खबर लिखे जाने तक मतदान का प्रतिशत नहीं आया है। लेकिन, इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत सोनिया गांधी ने मतदान किया। जबकि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मतदान केंद्र अटल आदर्श विद्यालय, लोधी एस्टेट पर अपना वोट डाला। मतदान करने के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, इंडी गठबंधन ही जीतेगा। महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़े मुद्दे हैं...हम अपने गिले-शिकवे अलग रखकर संविधान के लिए और लोकतंत्र के लिए वोट दे रहे हैं। मुंबई में मत प्रतिशत बहुत अधिक नहीं था ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली वाले कितनी तादाद में वोटिंग के लिए आते हैं। वोटरों को वोटिंग के लिए प्रोत्साहित करने के लिहाज से भी राष्ट्रपति और अन्य बड़े नामों का तड़के ही वोट करना एक बड़ा संदेश भी देती है।

प्रबंध संपादक: दिनेश के सिंह ✿ संपादक: हीरेन्द्र झा ✿ सलाहकार संपादक: चारुल मल्लिक, राजेश शर्मा, गीता सिंह ✿ डिज़ाइनर: मो. हसमतुल्लाह अंसारी
RNI-DELHIN/2013/51353